हिन्दूइज़्म टुडे

जनवरी 1999

माता-पिता द्वारा बच्चे की परवरिश

क्या उसने ''प्ले कोशन्ट'' कहा?

बच्चों का मन बहलाव सिर्फ मज़े लेने और विविधता लाने के अलावा भी और बहुत कुछ है।

आपकी बेटी ने कुछ समय पहले ही एक वर्ष पूरा किया है। वह जिज्ञासू होने लगी है, पर अभी भी सुकुमार है। इसका इलाज क्या है? डॉ. टॉय से पूछिए! ''उसे पूरे परिवार से स्नेह भरे लालन-पालन वाले खेलकूद के अनुभवों की ज़रूरत है,'' डॉ. स्टीवान ओएरबाख़, पी.एच.डी - जिन्हें डॉ. टॉय भी कहते हैं - अपनी उत्कृष्ट नई पुस्तक, डॉ. टॉयज़ स्मार्ट प्ले/ स्मार्ट टॉयज़: हाऊ टू रेज़ ए चाइल्ड विद् ए हाई पी.क्यू (प्ले कोशन्ट), में कहती हैं।

उन्हें संगीत, रंगों, ध्वनि और पालने से कोमल उद्दीपन दीजिए, वे कहती हैं। ''आप अपने शिशु के सबसे बड़े खिलौने हैं - यह सम्बद्ध सबसे महत्वपूर्ण बन्धन है।''

हम सभी IQ के बारे में जानते हैं, लेकिन PQ या प्ले कोशन्ट क्या है? ''माता-पिता सोचते हैं कि खेलना महत्वहीन है, लेकिन यह ऐसा नहीं है,'' डॉ. टॉय ने हिन्दूइज़्म टुडे को बताया। ''छोटे बच्चे जब मौखिक या शारीरिक रूप से अभिव्यक्ति करते हैं, तो वे अपने अन्तर्मन का उपयोग करते हैं, कल्पनाएं, रचनात्मकता विकसित करते हैं, दूसरों के साथ पारस्परिक क्रियाएं करते हैं, वस्तुओं को पहचानने की कोशिश करते हैं, चुनौतियों का सामना करते हैं।'' विकासशील दिमाग के लिए, खेल सीखना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। और एक भूतपूर्व शिक्षक, मां और अब दादी के रूम में ओएरबाख़ तीन दशकों से यही बताती आ रही हैं।

डॉ. टॉय के सिद्धान्त ''स्मार्ट प्ले'' में व्यावहारिक रूप से बताए गए हैं। कौन-से खिलौने खरीदें और कौन-से खेल खेलें, इनके बारे में उनकी विशिष्ट सलाह, आपके बच्चों को, उनकी परिपक्वता के अनुसार, प्रति वर्ष सशक्त करती है। उदाहरण के लिए, दो से तीन वर्ष की उम्र के बीच, बच्ची ''गतिशील, जिज्ञासू, सक्रिय और हर गतिविधि से सम्बद्ध रहती है,'' डॉ. टॉय बताती हैं। ''वह अपने आस-पास के वातावरण में गहरी रूचि लेती है, सब कुछ बड़ी तेजी से सीखती है और हर बात का पता लगाने के लिए उत्साहित रहती है।''

''वह बहुत कुछ पूछना चाहती है। दो वर्ष की उम्र में, जैसा कि किशोरावस्था में भी, ज़रूरी होता है कि आपमें असाधारण रूप से, प्यार के साथ धैर्य और शिष्टता के साथ कठोरता हो और यह हमेशा एक-जैसी रहे।''

डॉ. टॉय का सुझाव है कि इस उम्र में बच्चे को ब्लैकबोर्ड और चॉक, बबल पाइप्स, घरेलू सामान, संगीत के उपकरण, कठपुतलियों, बैगन्स और लकड़ी के मनकों के साथ खेलने दिया जाए।

यह जानते हुए कि आजकल बहुत से माता-पिता बच्चों को पठन-पाठन के कठोर अनुशासन में रखते हैं, जिससे किसी और गतिविधि के लिये समय ही नहीं मिलता, डॉ. टॉय का निदान सुदृढ़ है। ''बच्चों को जबरदस्ती एक संरचना में ढाल देना, आपके विचार से सही हो सकता है, पर इससे वे गंभीर रूप से लीक में बंध जाते हैं और इस प्रक्रिया में बहुत-कुछ खो जाता है। संतुलित रहने के लिए उन्हें विश्राम करना ज़रूरी है। यदि हम चाहते हैं कि बच्चों का सर्वतोमुखी विकास हो, जो अपने आप को परिस्थितियों के अनुकूल ढाल लेना, अपनी बारी का इंतज़ार करना, शेयर करना जानते हों, तो उनके लिए खेलना बहुत ज़रूरी है। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे प्रतियोगी हों, जो दूसरों को ढकेल कर आगे बढ़ जाएं, तो उन्हें पूरी तरह एक ढांचे में ढाल दें।''

डॉ. टॉय ने यह जानकारी आसानी से हासिल नहीं की है। हज़ारों खेलते हुए बच्चों को ध्यानपूर्वक देखने और माता-पिता, दादा-दादियों और शिक्षकों से बातचीत करने में सैकड़ों घंटे लगे। ''स्मार्ट प्ले/ स्मार्ट टॉयज़'' बताती है कि अपने बच्चे के प्ले ट्यूटर कैसे बनें, खेलों से किस तरह परिपक्वता मज़बूत होती है और लिंग-विशिष्ट खिलौनों के फायदे व नुकसान क्या हैं। इसमें आपको प्रतिभाशाली और विशेष ज़रूरतों वाले बच्चे के बारे में मार्गदर्शन, खिलौनों की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के तरीकों और दक्षता बढ़ाने के उपाय हमेशा मौजूद रखने के बारे में मार्गदर्शन मिलेगा। इसमें डॉ. टॉय द्वारा बताए गए ''बच्चों के लिए 100 सर्वश्रेष्ठ उत्पाद'' हैं - इनकी सूची उनके लोकप्रिय वेबसाइट (www.drtoy.com) पर भी है, चित्रों और कम्पनी के वेबसाइट के सम्पर्क के साथ।

जल्दी कीजिए! इस असाधारण पुस्तक से आप वंचित न रह जाएं।

यूएसए. वेबसाइट द्वारा आर्डर करने के लिए : WWW.DRTOY.COM.

डॉ. टॉय ई-मेल: drtoy@drtoy.com

साइडबार:

टॉयज़: उन खिलौनों का मूल्यांकन

छोटे बच्चों के लिए मनोरंजन के साधन चुनने के बारे में डॉ. टॉय के सुझाव

यहां कुछ बुनियादी सवाल दिए गए है, जिन्हें कोई खिलौना-या बच्चे के लिए अन्य उत्पाद खरीदते समय आपको अपने आपसे पूछने चाहिए। डॉ. टॉय की ''स्मार्ट प्ले'' से उद्धरित:

* क्या खिलौना सुरक्षित है ? क्या कोई संभावित जोखिम हैं ? उत्पाद क्या बहुत छोटा है ? तेज किनारे या जोड़ ढीले तो नहीं है ? क्या यह विष-मुक्त है ? टिकाऊ है ? क्या यह कठोर उपयोग बर्दास्त कर सकेगा ?

* क्या यह मज़ेदार है ? उम्मीद की जाती है कि खिलौना या बच्चे के लिए बना कोई अन्य उत्पाद बच्चे का मनोरंजन करेगा, उसे खुशी देगा, उत्तेजक और मजेदार होगा ?

* क्या वह उत्पाद सही है ? क्या अब भी यह महत्वपूर्ण है ? क्या वह बच्चे की उम्र, उसकी दक्षताओं और समर्थताओं के अनुरूप है ? क्या इसमें उसकी रूचि कायम रहेगी ?

* क्या उत्पाद को सही ढंग से डिज़ाइन किया गया है ? क्या यह देखने में अच्छा लगता है ? अच्छा महसूस होता है ?

* क्या उत्पाद बहु-उपयोगी है ?

* क्या उत्पाद टिकाऊ है ? बच्चे कठोरता से खेलते हैं और खिलौनों का दुरूपयोग करते हैं और उन्हें घिसने-रगड़ते हैं।

* क्या उत्पाद बच्चे की रचनात्मकता में वृद्धि करेगा ? सही उत्पाद, कला, शिल्प, हॉबियों, भाषा, पठन-पाठन, संगीत और नाटक में उसकी कल्पना का विस्तार कर सकते हैं।

* क्या उत्पाद बच्चे को हताश करेगा या उसे चुनौती देगा ? क्या इसमें अभ्यास करने या कोशिश करने के लिए कुछ नया है ? क्या बच्चे को यह मालूम होगा कि उत्पाद का उपयोग कैसे करें ? या किसी वयस्क की सहायता के बिना इसका उपयोग करना बहुत कठिन होगा ?

* क्या यह खिलौना बच्चे को अपनी भावनाएं अनुभव, दूसरों के लिए अपनी चिन्ताएं व्यक्त करने, सकारात्मक सामाजिक आदान-प्रदान में मदद करेगा ?

* क्या यह खिलौना सकारात्मक आत्म-विश्वास, उपयोगिता, हमदर्दी और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने में बच्चे की मदद करेगा ? क्या इसमें दक्षताएं हाथों/आंखों का तालमेल, अच्छी और बड़ी मोटर दक्षताए, संचारण बढ़ाने के अभ्यास हैं ?

* क्या खिलौने को साफ किया जा सकता है ? उसका बार-बार उपयोग किया जा सकता है ?